PM SHRI KV AFS RAJOKRI

केंद्रीय विद्यालय में पीएम श्री स्कूल: पीएम श्री का महत्व

पीएम श्री (प्रधान मंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) पहल भारत में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य मौजूदा स्कूलों, जिनमें केंद्रीय विद्यालय भी शामिल हैं, को बुनियादी ढांचे, शिक्षाशास्त्र, और छात्र परिणामों में उत्कृष्ट मानकों पर अपग्रेड करना है। यहाँ पीएम श्री पहल का एक अवलोकन और इसका महत्व दिया गया है:

पीएम श्री क्या है?

पीएम श्री भारत सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य देश भर के चुनिंदा स्कूलों को आदर्श स्कूलों के रूप में विकसित करना है, जो शिक्षण, सीखने और स्कूल प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रदर्शन करेंगे।

केंद्रीय विद्यालयों में पीएम श्री का महत्व

1. **उन्नत बुनियादी ढांचा**
    - **आधुनिक सुविधाएँ:** पीएम श्री स्कूलों में अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा होगा, जिसमें स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान और कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय और खेल सुविधाएँ शामिल होंगी। यह छात्रों को सीखने और समग्र विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा।
    - **सतत प्रथाएँ:** स्कूल संचालन में पर्यावरण-अनुकूल और स्थायी प्रथाओं पर जोर दिया जाएगा, जैसे सोलर पैनल, वर्षा जल संचयन, और कचरा प्रबंधन प्रणाली।
2. **नवीन शिक्षाशास्त्र**
    - **छात्र-केंद्रित शिक्षा:** पहल का फोकस सक्रिय और छात्र-केंद्रित शिक्षण विधियों को अपनाने पर होगा। इसमें परियोजना-आधारित शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा, और सहयोगात्मक गतिविधियाँ शामिल हैं।
    - **तकनीकी एकीकरण:** शिक्षा में प्रौद्योगिकी के अधिक उपयोग से सुनिश्चित होगा कि छात्र डिजिटल उपकरणों और संसाधनों से परिचित हों, जिससे वे डिजिटल युग के लिए तैयार हों।
3. **समग्र विकास**

- **अकादमिक से परे:** पीएम श्री स्कूलों में छात्रों के शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक कल्याण सहित समग्र विकास पर जोर दिया जाएगा। पाठ्यक्रम में सह-पाठयक्रम और अतिरिक्त-पाठयक्रम गतिविधियाँ शामिल होंगी।
- **जीवन कौशल शिक्षा:** नेतृत्व, संचार, और समस्या-समाधान जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल विकसित करने के लिए कार्यक्रम शामिल किए जाएंगे, जिससे छात्र समग्र व्यक्तित्व के रूप में विकसित हो सकें।

4. **शिक्षक प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास**
   - **निरंतर सीखना:** पीएम श्री स्कूलों के शिक्षकों को नवीनतम शैक्षिक प्रथाओं और प्रौद्योगिकियों से अद्यतन रहने के लिए नियमित प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों तक पहुँच प्राप्त होगी।
   - **मेन्टोरशिप कार्यक्रम:** नए शिक्षकों का मार्गदर्शन करने के लिए अनुभवी शिक्षकों को शामिल किया जाएगा, जिससे शिक्षण में निरंतर सुधार और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।
5. **समावेशी शिक्षा**
   - **सुलभता:** पीएम श्री स्कूलों में शिक्षा को विकलांग छात्रों और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के छात्रों के लिए अधिक सुलभ बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसमें समावेशी बुनियादी ढाँचा विकसित करना और आवश्यक समर्थन सेवाएँ प्रदान करना शामिल है।
   - **विविधता और समानता:** पहल में शिक्षा में विविधता और समानता को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे हर छात्र को सफलता का समान अवसर मिले।
6. **समुदाय भागीदारी**
   - **माता-पिता की भागीदारी:** पीएम श्री स्कूलों में माता-पिता और समुदाय की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे छात्रों के लिए एक सहायक वातावरण बनेगा।
   - **साझेदारी:** स्थानीय संगठनों, उद्योगों, और उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि छात्रों को वास्तविक दुनिया के सीखने के अनुभव और कैरियर के अवसर मिल सकें।

केंद्रीय विद्यालयों के लिए पीएम श्री के लाभ

- **गुणवत्ता शिक्षा:** शैक्षिक उत्कृष्टता के उच्च मानक स्थापित करके, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालयों को वैश्विक मानकों को पूरा करने वाली गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने में मदद करेगा।
- **भविष्य के लिए तैयार छात्र:** छात्रों को उन्नत कौशल और ज्ञान के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जाएगा, जिससे वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनेंगे।
- **आदर्श स्कूल:** पीएम श्री के तहत केंद्रीय विद्यालय आदर्श स्कूल के रूप में काम करेंगे, अन्य स्कूलों को अपने मानकों और प्रथाओं को सुधारने के लिए प्रेरित और मार्गदर्शन करेंगे।

संक्षेप में, पीएम श्री पहल केंद्रीय विद्यालयों को उत्कृष्टता के केंद्रों में बदलने के लिए तैयार है, जो छात्रों को समग्र, समावेशी, और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रदान करेगी। यह पहल राष्ट्र के भविष्य को आकार देने और यह सुनिश्चित करने में शिक्षा की गुणवत्ता के महत्व को रेखांकित करती है कि प्रत्येक बच्चे को सफलता का अवसर मिले।

किशोरावस्था शिक्षा पर कार्यशाला (लिंग संवेदनशीलता, मासिक चक्र स्वास्थ्य और सफाई)

11/12/2023 को हमारे विद्यालय की जीव विज्ञान प्रयोगशाला में पीएम श्री योजना के तहत किशोरावस्था शिक्षा - लिंग संवेदनशीलता, मासिक चक्र स्वास्थ्य और सफाई पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

कक्षा IX से XII के वरिष्ठ छात्राओं के लिए मिसेज ज्योत्सना (एक पात्रित प्रतिमानशास्त्री) द्वारा और आरुण्य यूथ इनिशिएटिव (एक गैर सरकारी संगठन जो विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर लोगों को शिक्षित, परामर्श और संवेदित करने का कार्य कर रहा है) की द्वारा संचालित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कक्षा VI से VIII के जूनियर सत्र के लिए श्रीमती डीएस अमिता (पीजीटी केम।) और श्रीमती दीपिका अरोड़ा (पीजीटी जीव विज्ञान) द्वारा हमारे विद्यालय की द्वारा संचालित किया गया।

कार्यशाला के दौरान कई गतिविधियाँ आयोजित की गई थीं ताकि लड़की छात्राओं को अपने बारे में अधिक जागरूक बनाया जा सके और उन्हें मासिक अवधि की स्वास्थ्य और लिंग संबंधी मुद्दों के बारे में संवेदनशील किया जा सके। छात्राओं को संबंधित वीडियो और प्रस्तुतियों को दिखाया गया था ताकि उन्हें एक सहयोगी शिक्षा अनुभव मिल सके।

अंत में, कक्षा VI से XII की लड़कियों को सैनिटरी नैपकिन वितरित किए गए।

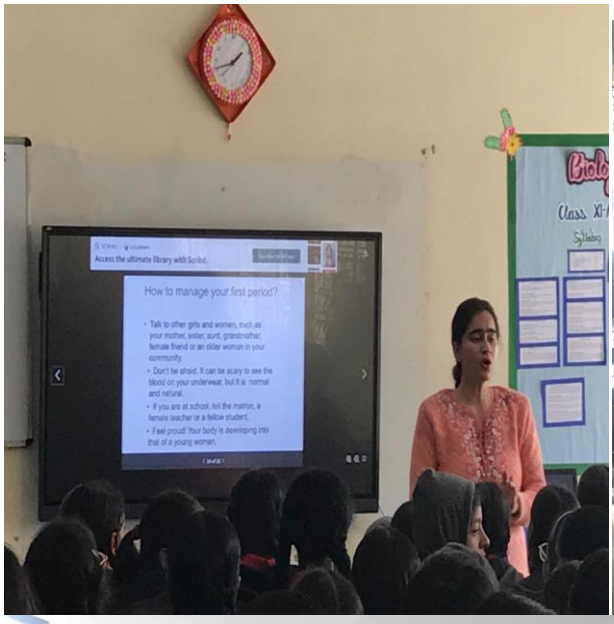
How to manage your first period?
• Talk to other girls and women, such as your mother, sister, aunt, grandmother, female friend or an older woman in your community.
• Don't be afraid. It can be scary to see the blood on your underwear, but it is normal and natural.
• If you are at school, tell the matron, a female teacher or a fellow student.
• Feel proud! Your body is developing into that of a young woman.

GENDER ROLES
REPRODUCTI
VE
Childbirth & Taking care of Family
& community roles mostly unpaid

Highlights of POCSO, 2012
(Protection of Children Against Sexual Offences)

GENDER SENSITIZATION
&
MENSTRUAL HYGIENE

कारपेंट्री वर्कशॉप

PM श्री योजना के तहत एक 10 दिनों का कारपेंट्री वर्कशॉप 2 फरवरी 2024 से 14 फरवरी 2024 तक परिसर में आयोजित किया गया। इस वर्कशॉप को 9वीं और 11वीं कक्षा के इच्छुक छात्रों के लिए आयोजित किया गया था।

कुल मिलाकर 24 छात्र वर्कशॉप में भाग लिया, जिन्हें लकड़ी काटने, आकार देने और लकड़ी को जोड़ने के बारे में सिखाया गया। बच्चों को कारपेंट्री में प्रयुक्त विभिन्न उपकरणों की परिचय दी गई, जैसे मार्किंग टूल, मापन उपकरण, होल्डिंग उपकरण, कटिंग उपकरण, प्लानिंग उपकरण, बोरिंग उपकरण, स्ट्राइकिंग उपकरण आदि।

यह वर्कशॉप व्यावसायिक शिक्षा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार दृष्टि में रखते हुए बहुत महत्वपूर्ण था।